भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 717
7 फरवरी, 2023 को उत्तरार्थ

बीजों हेतु बहु-राज्यीय सहकारी समितियां

†717. श्री वी.के. श्रीकंदन:

क्या **सहकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने बीजों की खरीद, प्रसंस्करण, विपणन और वितरण हेतु एक शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करने के लिए तीन राष्ट्रीय स्तर की बहु-राज्यीय सहकारी समितियों की स्थापना को मंजूरी दे दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये समितियां विलुप्त हो रहे स्वदेशी प्राकृतिक बीजों के संरक्षण में सहायता करेंगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रस्तावित तीन राष्ट्रीय बहु-स्तरीय राज्य सहकारी समितियों की सरंचना क्या है; और

(घ) इन प्रस्तावित समितियों के मुख्यालय कहां हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह)

(क) से (घ): जी हाँ, मान्यवर । सरकार ने निर्यात, बीज और जैविक उत्पादों के लिए राष्ट्रीय स्तर के तीन नई बहु राज्य सहकारी समितियों के गठन का अनुमोदन किया है । इनका विवरण निम्नांकित है:

I. **बहुराज्य सहकारी निर्यात समिति:** इस समिति का प्रोत्साहन इंडियन फार्मर्स फर्टीलाइजर्स कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको), कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्यादित (नेफेड), गुजरात मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) द्वारा किया जा रहा है । समिति का मुख्य प्रोत्साहक जीसीएमएमएफ है । इस समिति की 500 करोड़ रुपए की आरंभिक चुकता पूंजी और 2000 करोड़ रुपए की प्राधिकृत शेयर पूंजी होगी । समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित होगा । यह समिति सहकारी समितियों और संबंधित संस्थानों के माल व सेवाओं का प्रत्यक्ष निर्यात करने और अन्य निर्यात प्रोत्साहन कार्य करने का कार्य करेगी ।

II. **बहुराज्य सहकारी बीज समिति**: इस समिति का प्रोत्साहन इफको, कृभको, नेफेड, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और एनसीडीसी द्वारा किया जा रहा है । इस समिति का मुख्य प्रोत्साहक कृभको है । इस समिति को 250 करोड़ रुपए की आरंभिक चुकता पूंजी और 500 करोड़ रुपए की प्राधिकृत शेयर पूंजी से स्थापित किया गया है । समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित होगा । इस समिति को फसल पैदावार बढ़ाने में सहकारी नेटवर्क के माध्यम से एकल ब्रांड के अंतर्गत उन्नत बीजों के उत्पादन, प्रापण व वितरण तथा देशज प्राकृतिक बीजों के संरक्षण व संवर्धन के लिए एक तंत्र विकसित करने हेतु स्थापित किया गया है ।

III. **बहुराज्य सहकारी जैविक समिति**: इस समिति का प्रोत्साहन एनडीडीबी, जीसीएमएमएफ (अमूल), नेफेड, एनसीसीएफ और एनसीडीसी द्वारा किया जा रहा है । इस समिति का मुख्य प्रोत्साहक एनडीडीबी है । इस समिति को 100 करोड़ रुपए की आरंभिक चुकता पूंजी और 500 करोड़ रुपए की प्राधिकृत शेयर पूंजी से स्थापित किया गया है । इसका मुख्यालय आनंद, गुजरात में स्थित होगा । यह समिति जीसीएमएमएफ (अमूल) के ब्रांड और विपणन नेटवर्क का इस्तेमाल करके तथा साथ ही अपना स्वयं का ब्रांड व विपणन नेटवर्क विकसित करके सहकारी समितियों व संबंधित संस्थानों द्वारा उत्पादित जैविक उत्पादों का विपणन कार्य करने के लिए और प्रमाणित परीक्षण प्रयोगशालाओं एवं प्रमाणन निकायों को सूचीबद्ध करने का कार्य करेगा ।

नई राष्ट्रीय बहुराज्य सहकारी बीज समिति के उद्देश्यों में से एक है देशज प्राकृतिक बीजों को विलुप्त होने से बचाने के लिए उनके संरक्षण हेतु एक तंत्र की स्थापना करना है ।

***